इब्रानियों 10:25
“और हम एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसा कि कितनों की रीति है; परन्तु एक दूसरे को समझाते रहें; और जैसे-जैसे उस दिन को निकट आते देखते हो, वैसे-वैसे और भी अधिक यह किया करो।”

यहाँ जिस इकट्ठा होने की बात कही गई है, वह कलीसिया में अन्य विश्वासियों के साथ संगति करने के विषय में है।

शैतान लोगों को गिराने के लिए जो पहला उपाय करता है, वह है उन्हें संगति से अलग करना। वह कोई छोटी-सी बात को बड़ा बना देता है, जिससे व्यक्ति ठेस खाकर कलीसिया जाना छोड़ दे। वह सोचता है कि “अलग रहकर मैं सुरक्षित रहूँगा,” पर वास्तव में वह स्वयं को कमजोर कर रहा होता है।

नीचे कुछ कारण दिए गए हैं जिनके द्वारा शैतान लोगों को संगति से दूर करता है:

1. आराधना बहुत लंबी होती है

जब आपके मन में यह आवाज आने लगे कि, “आराधना बहुत लंबी है,” तो

समझ लीजिए कि शैतान आपको संगति से दूर करना चाहता है, क्योंकि वह देखता है कि आप उसके राज्य के लिए खतरा बन सकते हैं।

प्रभु का दिन पवित्र माना गया है। यदि सप्ताह के बीच की सभाओं में न जा सकें, तो भी रविवार को प्रभु के लिए अलग रखें। यदि यह निश्चय मन में कर लेंगे, तो शैतान की आवाज आपको विचलित नहीं करेगी।

2. दूसरों की बुरी बातें सुनना

बहुत से लोग इसलिए कलीसिया छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने किसी सदस्य या अगुवे के बारे में बुरी बातें सुन लीं।
वे सुनते हैं कि कोई झगड़ा हुआ, या पास्टर किसी से असहमत है, और फिर वे सोचना शुरू कर देते हैं कि वहाँ जाना ठीक नहीं।

वे घर पर रहना सुरक्षित समझते हैं, परन्तु यह नहीं जानते कि शैतान ने उन्हें अलग कर दिया है।

स्मरण रखें, कोई भी स्थान पूर्ण नहीं है। कलीसिया में भी कमियाँ हो सकती हैं। परन्तु परमेश्वर आपको वहाँ इसलिए रखता है कि आप प्रार्थना और समझाने के द्वारा सुधार का कारण बनें, न कि भाग जाएँ।

3. किसी से ठेस लग जाना

कभी-कभी कोई छोटी-सी बात व्यक्ति को ठेस पहुँचा देती है, और वही कारण बन जाता है कि वह फिर कभी कलीसिया नहीं जाता।

यदि आप भोजन करते समय एक छोटा-सा कंकड़ पा लें, तो क्या आप पूरा भोजन फेंक देते हैं? नहीं।
फिर परमेश्वर के विषय में छोटी बातों पर रूठ जाना क्यों?

हम मसीही हैं, परन्तु अभी भी मनुष्य हैं। पास्टर स्वर्गदूत नहीं है, और अन्य विश्वासी भी पूर्ण नहीं हैं। इसलिए धैर्य रखें, प्रार्थना करें और संगति में बने रहें ताकि सुधार हो सके।

4. चढ़ावे का भय

सच है कि अंतिम दिनों में ऐसे लोग होंगे जो धन से प्रेम करेंगे, यहाँ तक कि वेदी पर भी। परन्तु इसे कलीसिया छोड़ने का कारण न बनाइए।

यदि आपको देने के लिए प्रेरित किया जाता है और आप सचमुच प्रभु से प्रेम करते हैं, तो आप क्रोधित नहीं होंगे, क्योंकि आप जानते हैं कि आप मनुष्य को नहीं, परमेश्वर को दे रहे हैं। आपका

प्रतिफल स्वर्ग में बढ़ता है।

यदि शैतान कहे, “मत जाओ, वे तुमसे पैसे माँगेंगे,” तो समझिए कि आप बड़े खतरे में हैं।

संगति के दो मुख्य लाभ

1. विश्वास में दृढ़ता

आप कह सकते हैं, “मैं अकेले भी स्थिर रह सकता हूँ।”
परन्तु जो व्यक्ति सो जाता है, उसे यह पता नहीं चलता कि वह कब सोया। उसी प्रकार जो अकेला रहता है, वह धीरे-धीरे ठंडा पड़ सकता है।

सभोपदेशक 4:9-12
“दो एक से अच्छे हैं, क्योंकि उनके परिश्रम का अच्छा फल मिलता है।
यदि उनमें से एक गिर पड़े, तो दूसरा उसे उठाएगा; परन्तु हाय उस अकेले पर जो गिर पड़े और उसे उठाने वाला कोई न हो।
यदि दो एक साथ सोएँ तो गरम रहेंगे; परन्तु एक अकेला कैसे गरम रहेगा?
यदि कोई एक पर प्रबल हो, तो दो उसका सामना कर सकते हैं; और तीन तारों की रस्सी जल्दी नहीं टूटती।”

इसी कारण यीशु ने अपने चेलों को दो-दो करके भेजा।

मरकुस 6:7
“और उसने उन बारहों को बुलाकर उन्हें दो-दो करके भेजना आरम्भ किया, और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया।”

2. आशीष प्राप्त होती है

कलीसिया में मिलकर रहने में विशेष आशीष है।

मत्ती 18:18-20
“मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बँधा जाएगा; और जो कुछ पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खोला जाएगा।
यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिए एक मन होकर माँगें, तो वह मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में है, उनके लिए किया जाएगा।
क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम से इकट्ठे होते हैं, वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।”

प्रभु एकता से प्रसन्न होता है। अलगाव उसे अच्छा नहीं लगता।

नीतिवचन 18:1
“जो अलग रहता है वह अपनी ही इच्छा पूरी करना चाहता है; वह सब बुद्धिमानी के विरुद्ध झगड़ता है।”

इसलिए आज शैतान का विरोध करें और संगति में लौट आएँ। यह आपके ही भले के लिए है।

1 पतरस 5:8
“सचेत और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गरजते
हुए सिंह के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए।”

मरानाथा!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp